Class – P.G 1st SEM Sociology

Paper – 1

Date:- 02/02/26

Topic :– समाजशास्त्र परिभाषा, अर्थ

समाजशास्त्र मानव समाज का या समूह में मानव व्यवहार का अध्ययन करता है। यह मानव सम्बन्धों के उद्देश्य एवं प्रकृति को समझने का प्रयत्न करता है। मानव के बीच संबन्धों का विकास एवं परिवर्तन का अध्ययन करना समाजशास्त्र का मुख्य विषय है।

अगस्त कॉम्ट (August Comte) को "समाजशास्त्र का पिता" कहा जाता है क्योंकि उन्होंने ही सर्वप्रथम "Sociology" शब्द का प्रयोग किया।

समाजशास्त्र की परिभाषा विभिन्न विद्वानों ने कई प्रकार से की है। कुछ समाजशास्त्रियों ने इसे "समाज का विज्ञान" [redacted] (वार्ड, समनर, गिडिंग्स), कुछ ने इसे (मैकाइवर, पेज) सामाजिक संबन्धों का विज्ञान तथा कुछ ने सामाजिक प्रक्रियाओं (Small के अनुसार) का अध्ययन माना है।

समाजशास्त्र की परिभाषा :–

साधारणतया सभी समाजशास्त्री ये मानते हैं कि समाजशास्त्र "समाज का अध्ययन" है। लेकिन विभिन्न समाजशास्त्रियों ने समाज को विभिन्न आधारों पर परिभाषित किया है।

इसे चार प्रमुख भागों में विभाजित करके स्पष्ट किया जा सकता है

1. समाजशास्त्र समाज का अध्ययन :–

इस वर्ग में वे समाजशास्त्री आते हैं, जिनके अनुसार समाजशास्त्र संपूर्ण समाज का व्यवस्थित और क्रमबद्ध अध्ययन है। गिडिंग्स, समनर, वार्ड आदि समाजशास्त्री इसी वर्ग में आते हैं।

2. समाजशास्त्र सामाजिक संबन्धों का अध्ययन –

इस वर्ग के समाजशास्त्रियों की संख्या सबसे अधिक है। इनके अनुसार

Ajanta Officer

Scanned with CamScanner